हिंदी-विभाग

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र

(प्रदेश विधायिका एक्ट 12ए 1956 के तहत स्थापित)

('ए+ श्रेणी' राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा प्रदत्त)

स्नातक स्तरीय प्रोग्राम

(हिंदी पाठ्यक्रम)

नई शिक्षा नीति-2020

(मल्टीपल एंट्री-एग्जिट, इंटर्नशिप और च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम/)/एल ओ सी एफ)

सत्र 2022-23 से चरणबद्ध तरीके से प्रभावी

कोर्स कोड	कोर्स की प्रकृति	कोर्स का नाम	क्रेडिट	शिक्षण घंटे / प्रति सप्ताह	परीक्षा की स्कीम (अंक)			
					परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	कुल अंक	समय
सेमेस्टर - I								
B-HIN- N100	AECC	हिंदी भाषा संप्रेषण कौशल	02	2	25	25	50	2 घंटे
B-HIN-N101	CC	हिंदी भाषा एवं आधुनिक हिंदी कविता	06	6	75	75	150	3 घंटे
सेमेस्टर - II								
B-HIN-N201	CC	प्रयोजनमूलक हिंदी एवं मध्यकालीन हिंदी कविता	06	6	75	75	150	3 घंटे
सेमेस्टर - III								
B-HIN-N301	CC	हिंदी गद्य एवं सृजनात्मक लेखन	06	6	75	75	150	3 घंटे
सेमेस्टर - IV								
B-HIN-N401	CC	हिंदी गद्य एवं जनसंचार	06	6	75	75	150	3 घंटे
सेमेस्टर - V								
B-HIN- N 501	CC	हिंदी साहित्य का इतिहास	06	6	75	75	150	3 घंटे
B-HIN- N 502	SEC	हिंदी उपन्यास	06	6	75	75	150	3 घंटे
B-HIN- N 503-(i)	DSE	कबीर	06	6	75	75	150	3 घंटे
B-HIN-N503-(ii)		बालमुकुंद गुप्त	06	6	75	75	150	3 घंटे
B-HIN-N503-(iii)		प्रेमचंद	06	6	75	75	150	3 घंटे
B-HIN-N503-(iv)		लोक साहित्य	06	6	75	75	150	3 घंटे

सेमेस्टर - VI								
B-HIN-N601	CC	काव्यशास्त्र और आलोचना	06	6	75	75	150	3 घंटे
B-HIN-N602	SEC	हिंदी नाटक और सिनेमा	06	6	75	75	150	3 घंटे
B-HIN-N603-(i)	DSE	समकालीन हिंदी साहित्य	06	6	75	75	150	3 घंटे
B-HIN-N604-(ii)		हरियाणा का साहित्य	06	6	75	75	150	3 घंटे
B-HIN-N604-(iii)		आधुनिक भारतीय साहित्य	06	6	75	75	150	3 घंटे
B-HIN-N604-(iv)		अस्मितामूलक हिंदी साहित्य	06	6	75	75	150	3 घंटे

विद्यार्थी/परीक्षा का मूल्यांकन दो स्तर पर निम्न अनुसार होगा				
कुल (अंक 0 से 100 प्रतिशत के बीच)	आन्तरिक मूल्यांकन (50 प्रतिशत)			अंतिम अवधि परीक्षा (50 प्रतिशत)
	कक्षा-प्रतिभागिता (अंक 0 से 10 प्रतिशत के बीच)	कार्य एवं प्रस्तुति (अंक 0 से 10 प्रतिशत के बीच)	मध्यावधि परीक्षा (अंक 0 से 30 प्रतिशत के बीच)	अंतिम अवधि परीक्षा (अंक 0 से 50 प्रतिशत के बीच)

नई शिक्षा नीति-2020 (मल्टीपल एंट्री-एग्जिट, इंटर्नशिप और च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम)

Semester	Core Course (CC) @6credits subject-1	Ability enhancement compulsory course (AECC)@2credit	Skill enhancement (SEC)@2-6credit	Discipline Specific Course (DSE)@6credit
I	हिंदी भाषा एवं आधुनिक हिंदी कविता	हिंदी भाषा संप्रेषण कौशल	---	---
II	प्रयोजनमूलक हिंदी एवं मध्यकालीन हिंदी कविता	---	---	---
Internship@10 credits (450 hours) after 2nd semester (only for exit option)				
III	हिंदी गद्य एवं सृजनात्मक लेखन	---	---	---
IV	हिंदी गद्य एवं जनसंचार	---	---	---
Internship@10 credits (450 hours) after 2nd semester (only for exit option)				
V	हिंदी साहित्य का इतिहास	---	हिंदी उपन्यास	i.- कबीर ii- बालमुकुंद गुप्त iii- प्रेमचंद iv- लोक साहित्य
VI	काव्यशास्त्र और आलोचना	---	हिंदी नाटक और सिनेमा	i- समकालीन हिंदी साहित्य ii- हरियाणा का साहित्य iii- आधुनिक भारतीय साहित्य iv- अस्मितामूलक हिंदी साहित्य

Programme Outcomes (PO) - नई शिक्षा नीति-2020 (मल्टीपल एंट्री-एग्जिट, इंटर्नशिप और च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम)

PO 1: Demonstrate a detailed knowledge and understanding of selected fields of study in core disciplines in the humanities, social sciences and languages;
PO 2: Apply critical and analytical skills and methods to the identification and resolution of problems within complex changing social contexts.
PO 3: Demonstrate a general understanding of the concepts and principles of selected areas of study outside core disciplines of the humanities, social sciences and languages;
PO 4: Apply an independent approach to knowledge that uses rigorous methods of inquiry and appropriate theories;
PO 5: Articulate the relationship between diverse forms of knowledge and the social, historical and cultural contexts that produced them;
PO 6: Communicate effectively and show ability to read, write, listen to and speak in a chosen language/s with fluency;
PO 7: Act as informed and critically discerning participants within the community of scholars, as citizens and in the work force;
PO 8: Work with independence, self-reflection and creativity to meet goals and challenges in the workplace and personal life.

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम (PSOs)

PSO-1. **व्यवहारिक व व्यावसायिक जीवन में भाषा का विशेषकर हिंदी भाषा का सही प्रयोग कर सकेगा। हिंदी भाषा के विकास के माध्यम से भाषा के सैद्धांतिक पहलुओं तथा उसके परिवर्तन की दिशाओं का बोध होगा।**

PSO-2. **समकालीन साहित्य के विविध गद्य व पद्य रूपों के माध्यम से अपने युग का बोध होगा। साहित्य की विभिन्न विधाओं में रचनात्मक लेखन व संप्रेषण की क्षमता विकसित होगी।**

PSO-3. **साहित्य संसार व वास्तविक संसार के यथार्थ के प्रति आलोचनात्मक समझ विकसित होगी। साहित्य के सौंदर्य, कला तथा वैचारिक मूल्यों के प्रति विवेक का निर्माण होगा।**

PSO-4. **व्यक्तित्व विकास व जीवनयापन के लिए भाषायी कौशल, कंप्यूटर, अनुवाद, पत्रकारिता, जनसंचार, रंगमंच, चलचित्र आदि के बारे में सैद्धांतिक व व्यावहारिक ज्ञान होगा।**

Mapping Matrix for all the Courses of B.A. (Programme) Hindi

Course Code	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
B-HIN-N100	3	2.5	2.5	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3
B-HIN-N101	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5
B-HIN-N201	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5
B-HIN-N301	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5
B-HIN-N401	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3

Attainment of Cos : Attainment Level for Internal Assessment

Table given below shows the CO attainment levels ass0uming the set target of 60% marks

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students score more than 60% of marks in class tests of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students score more than 55% of marks in class tests of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students score more than 50% of marks in class tests of a course

CO Attainment Levels for End Semester Examination (ESE)

Attainment Level	
1 (Low level of Attainment)	60% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 60% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course
2 (Medium level of Attainment)	70% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 55% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course
3 (High level of Attainment)	80% of Students obtained letter grade of A or above (for CBCS programme) or score more than 50% of Marks (for non-CBCS programms) in ESE of a course

सेमेस्टर-I

B-HIN-AECC-N100-**हिंदी भाषा संप्रेषण कौशल**

क्रेडिट - 2 **कुल अंक- 50**

समय- 2.00 घंटे, **परीक्षा अंक - 25, आंतरिक मूल्यांकन - 25**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी भाषा, व्याकरण के व्यावहारिक अनुप्रयोग के लिए।

हिंदी भाषा में अपेक्षित संप्रेषण के लिए।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

100.1 हिंदी भाषा व व्याकरण के स्वरूप व प्रयोग की जानकारी।

100.2 हिंदी भाषा में मौखिक व लिखित रूप में अपेक्षित व प्रभावी संप्रेषण करने में सक्षम होगा।

परीक्षा संबधी निर्देश -

- **पाठ बोध - इकाई-1 में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 3 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को उस पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 6 अंक निर्धारित हैं।**
- **समीक्षात्मक प्रश्न - इकाई 2, 3, व 4 में निर्धारित पाठ्य विषयों में से 6 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।**
- **वस्तुनिष्ठ प्रश्न - समस्त पाठ्यक्रम में 4 वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। प्रत्येक के लिए 1 अंक निर्धारित हैं।**

पाठ्य विषय

इकाई - 1

- **भारत से संविधान की धारा 343 से 348 तक**
- **निबंध - हिंदी, उर्दू, हिंदुस्तानी- प्रेमचंद**
- **निबंध - राष्ट्रभाषा हिंदी - राहुल सांकृत्यायन**

इकाई - 2

- **भाषा और मानव समाज का सांस्कृतिक विकास**
- **हिंदी भाषा का स्वरुप एवं विशेषताएं**
- **हिंदी की बोलियां**
- **हिंदी के विविध रूप (राष्ट्रभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा)**
- **हिंदी की संविधानिक स्थिति**
- **शिक्षा-माध्यम के रूप में हिंदी (विज्ञान, वाणिज्य व मानविकी के क्षेत्र में)**

इकाई - 3

- व्याकरण और भाषा का संबंध
- हिंदी की वर्ण-व्यवस्था: स्वर एवं व्यंजन। स्वर के प्रकार - ह्रस्व, दीर्घ तथा संयुक्त।
- हिंदी शब्द संपदा (तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशज)
- शब्द निर्माण - उपसर्ग, प्रत्यय,
- हिंदी वाक्य रचना, वाक्य और उपवाक्य, वाक्य के भेद
- शब्द शुद्धि और वाक्य शुद्धि
- मुहावरे, लोकोक्तियां

इकाई - 4

- संप्रेषण की अवधारणा एवं महत्व
- संप्रेषण के विविध रूप (साक्षात्कार, भाषण, संवाद, सामूहिक चर्चा)
- व्यावसायिक क्षेत्र में हिंदी भाषा का प्रयोग (बैंक, बीमा, विज्ञापन, मनोरंजन)
- वाणिज्य और विधि के क्षेत्र में हिन्दी भाषा का प्रयोग और चुनौतियां
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी भाषा का प्रयोग और चुनौतियां

Student Scores and Learning Level Against CO's (Evaluation Scale)													
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO 3	PO 4	PO 5	PO 6	PO 7	PO 8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
B-HIN-AECC-N100	100.1	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	100.2	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	100.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	100.4	3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	2.5	3	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरु
- व्यावहारिक राजभाषा कोश - दिनेश चमोला
- प्रयोजनमूलक हिंदी - रघुनंदन प्रसाद शर्मा
- संचार भाषा हिंदी - सूर्यप्रसाद दीक्षित
- जनसंचार माध्यम -भाषा और साहित्य - सुधीश पचौरी

B-HIN-N101-हिंदी भाषा एवं आधुनिक हिंदी कविता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक- 150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 75, आंतरिक मूल्यांकन - 75**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी भाषा व आधुनिक हिंदी कविता से परिचय।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

101.1 हिंदी भाषा की संरचना व स्वरूप का ज्ञान।

101.2 हिंदी भाषा के विविध रुपों व प्रयोगों का ज्ञान।

101.3 आधुनिक काल के कवियों की काव्य क्षमता का बोध। आधुनिक हिंदी कविता के प्रमुख हस्ताक्षरों की कविता का आलोचनात्मक बोध।

101.4 नवजागरण व राष्ट्र के निर्माण की प्रक्रिया का ज्ञान।

परीक्षा संबधी निर्देश -

(क) व्याख्या - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(ख) पाठ बोध - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 4 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।

(ग) पाठ आधारित प्रश्न - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं की विषयवस्तु, मूल संवेदना, रचना-सौष्ठव व प्रासंगिकता संबंधी 5 समीक्षात्मक प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(घ) भाषा संबंधी प्रश्न - पाठ्यक्रम में निर्धारित हिंदी भाषाः विकास और विविध प्रयोग से 6 प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।

(ङ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 7 अंक निर्धारित हैं।

विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश - नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु विद्यार्थी को व्यावहारिक विषय दिए जाएं जिससे वह अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ को प्रस्तुत कर सके।

पाठ्य विषय

(क) हिंदी भाषाः विकास और विविध प्रयोग

- **भाषा : परिभाषा, प्रकृति और विशेषताएं; भाषा और मानव संस्कृति; भाषा और संप्रेषण; भाषा परिवर्तन : कारण और दिशाएं; भाषा के रूप में हिंदी का विकास; साहित्य और संचार की**

भाषा के रूप में हिंदी का विस्तार; हिंदी की बोलियां-उपबोलियां; देवनागरी लिपि की विशेषताएं और मानकीकरण।

- हिंदी भाषा के विविध अनुप्रयोग (राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा) ; हिंदी की संविधानिक स्थिति; शिक्षा-माध्यम के रूप में हिंदी; हिंदी अध्ययन-अध्यापन (विज्ञान, वाणिज्य व मानविकी के क्षेत्र में)

(ख) आधुनिक हिंदी कविता

- मैथिलीशरण गुप्त - दोनों ओर प्रेम पलता है, सखि, वे मुझसे कहकर जाते।
- जयशंकर प्रसाद -कामायनी (चिंता सर्ग की प्रथम 20 पंक्तियां, आरम्भ से लेकर प्रथम 'कंप-सी मतवाली' तक), अशोक की चिंता।
- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - वह तोड़ती पत्थर, बादल राग।
- रामधारी सिंह दिनकर - चांद और कवि, यह मनुज
- सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' - कलगी बाजरे की, यह दीप अकेला
- गजानन माधव मुक्तिबोध - जन जन का चेहरा एक, भूल गलती
- नागार्जुन - कालिदास, उनको प्रणाम
- भवानी प्रसाद मिश्र - कहीं नहीं बचे, गीत फरोश
- कुँवर नारायण - नचिकेता, कविता
- सर्वेश्वरदयाल सक्सेना - पोस्टर और आदमी, छीनने आए हैं वे।

Student Scores and Learning Level Against CO's (Evaluation Scale)													
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
B-HIN-N101	101.1	3	3	3	3	3	2	3	2	2	3	3	3
	101.2	3	3	3	3	3	2	3	2	3	3	3	2
	101.3	3	3	3	3	3	2	3	2	3	3	3	3
	101.4	3	3	3	3	3	2	3	2	2	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2	3	2	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- अच्छी हिंदी - रामचंद्र वर्मा
- हिंदी भाषी - डा. हरदेव बाहरी
- हिंदी व्याकरण - कामता प्रसाद गुरुवार
- हिंदी भाषा का इतिहास- धीरेंद्र वर्मा
- हिंदी भाषाः स्वरूप और विकास- कैलाशचंद्र भाटिया
- हिन्दी भाषा संरचना के विविध आयाम- रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- व्यावहारिक राजभाषा कोश - दिनेश चमोला

सेमेस्टर-II

B-HIN-N201-प्रयोजनमूलक हिंदी एवं मध्यकालीन हिंदी कविता

क्रेडिट - 6 **कुल अंक- 150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 75, आंतरिक मूल्यांकन - 75**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

मध्यकालीन हिंदी कविता और प्रयोजनमूलक हिंदी का ज्ञान।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

301.4 मध्यकालीन कवियों के काव्य से परिचय।

201.1 मध्यकालीन कवियों की रचना क्षमता व अभिव्यक्ति की विशिष्टताओं की पहचान।

201.1 हिंदी भाषा में शासन-प्रशासन के कार्यों को करने की दक्षता।

201.2 बैंक, विधि, वाणिज्य, विज्ञान आदि क्षेत्रों में हिंदी भाषा की स्थिति का बोध।

परीक्षा संबधी निर्देश -

परीक्षा संबधी निर्देश -

(क) व्याख्या - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(ख) पाठ बोध - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 4 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।

(ग) पाठ आधारित प्रश्न - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं की विषयवस्तु, मूल संवेदना, रचना-सौष्ठव व प्रासंगिकता संबंधी 5 समीक्षात्मक प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(घ) भाषा संबंधी प्रश्न - पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रयोजनमूलक हिंदी से 6 प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।

(ङ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 7 अंक निर्धारित हैं।

विशेष - आंतरिक मूल्यांकन के निर्देश - नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु विद्यार्थी को व्यावहारिक विषय दिए जाएं जिससे वह अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ को प्रस्तुत कर सके।

पाठ्य विषय

(क) मध्यकालीन हिंदी कविता

(कबीरदास, रैदास, जायसी, सूरदास, तुलसीदास, रहीम, मीराबाई, बिहारी, घनानंद, गरीबदास का निर्धारित काव्य)

(क) प्रयोजनमूलक हिंदी

- प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा, स्वरूप व क्षेत्र, प्रशासनिक भाषा का स्वरूप और महत्व, सरकारी पत्रों के प्रमुख अंग, कार्यालयी पत्र लेखन के विभिन्न प्रकार, प्रारूपण, टिप्पण।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिन्दी भाषा का प्रयोग, चुनौतियां व संभावनाएं, वाणिज्य और विधि के क्षेत्र में हिन्दी भाषा का प्रयोग और चुनौतियां
- बाजार और व्यावसायिक क्षेत्र की हिंदी (बैंक, बीमा, मीडिया)
- पारिभाषिक शब्दावली की निर्माण प्रक्रिया।
- इंटरनेट की हिंदी (यूटयूब, ट्विटर, ब्लॉग, फेसबुक)।

Student Scores and Learning Level Against CO's (Evaluation Scale)													
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
B-HIN-N201	201.1	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	201.2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	201.3	3	3	3	3	3	2	3	3	2	3	3	3
	201.4	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	2
	Average	3	3	3	3	3	2.5	3	2.5	2.5	3	3	2.5

सहायक पुस्तकें

- प्रयोजनमूलक हिन्दीः सिद्धांत और प्रयुक्ति- डॉ. जितेन्द्र कुमार सिंह
- प्रयोजनमूलक हिन्दी- विनोद गोदारे
- प्रयोजनमूलक हिन्दी- दंगल झाल्टे
- प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ. माधव सोन टक्के
- प्रयोजनमूलक हिंदी - रघुनंदन प्रसाद शर्मा
- संचार भाषा हिंदी - सूर्यप्रसाद दीक्षित

सेमेस्टर-III

B-HIN-N301-हिंदी गद्य एवं सृजनात्मक लेखन

क्रेडिट - 6 **कुल अंक - 150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 75, आंतरिक मूल्यांकन - 75**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी गद्य से परिचय और सृजनात्मक लेखन का ज्ञान।

पाठ्यक्रम के संभावित परिणाम

201.3 हिंदी गद्य की विधाओं की विशिष्टता की समझ।

201.4 हिंदी गद्यकारों की रचनाओं के माध्यम से समाज के यथार्थ की आलोचनात्मक समझ।

501.1 सृजनात्मक लेखन के सिद्धांतों से परिचय।

501.1 सृजनात्मक लेखन प्रक्रिया के व्यावहारिक पहलुओं का ज्ञान।

परीक्षा संबधी निर्देश -

- **(क) व्याख्या - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।**
- **(ख) पाठ बोध - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 4 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।**
- **(ग) पाठ आधारित प्रश्न - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं की विषयवस्तु, मूल संवेदना, रचना-सौष्ठव व प्रासंगिकता संबंधी 5 समीक्षात्मक प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।**
- **(घ) सृजनात्मक लेखन संबंधी प्रश्न - पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से 6 प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।**
- **(ङ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 7 अंक निर्धारित हैं।**

विशेष - आंतरिक मूल्याकंन के निर्देश - नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु विद्यार्थी को व्यावहारिक विषय दिए जाएं जिससे वह अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ को प्रस्तुत कर सके।

पाठ्य विषय

(क) हिंदी गद्य

- **कहानी - पूस की रात (प्रेमचंद), परदा (यशपाल), वापसी (उषा प्रियंवदा)**

- निबंध - मजदूरी और प्रेम (सरदार पूर्ण सिंह), नाखून क्यों बढ़ते हैं (हजारी प्रसाद द्विवेदी)
- व्यंग्य - आशा का अंत - बालमुकुंद गुप्त
- आत्मकथा - निज जीवन छटा (अंतिम समय की बातें) - पं. रामप्रसाद बिस्मिल

(ख) सृजनात्मक लेखन

- सृजनात्मकता की अवधारणा, सृजनात्मक लेखन का स्वरूप और महत्व, सृजनात्मक लेखन के उद्देश्य, सृजनात्मक लेखन के प्रकार (साहित्यिक और व्यावसायिक), सृजनात्मक लेखन की प्रक्रिया में विषयवस्तु चयन और प्रस्तुतिकरण।
- सृजनात्मक लेखन के लिए भाषा की विशेषताएं, सृजनात्मक भाषा के विविध पक्ष (शब्द शक्तियां, अंलकरण, सादृश्य विधान, मानवीकरण, मुहावरे, लोकोक्तियां)
- काव्य लेखन (संवेदना, भाषा, छंद, लय), कथा लेखन (विषयवस्तु, परिवेश, पात्र, भाषा), नाट्य लेखन (संवाद, परिवेश, पात्र, भाषा), निबंध (विषयवस्तु, भाषा)
- बच्चों के लिए सृजनात्मक लेखन

Student Scores and Learning Level Against CO's (Evaluation Scale)													
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
B-HIN-N301	301.1	2	3	3	3	3	3	3	3	3	3	3	2
	301.2	3	2	3	3	3	3	3	3	3	3	3	2
	301.3	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2
	301.4	3	3	3	3	3	2	3	3	3	3	3	2
	Average	2.75	2.75	3	3	3	2.5	3	3	3	3	3	2

सहायक पुस्तकें

- हिन्दी नाटकः उद्भव और विकास- डॉ दशरथ ओझा
- हिन्दी नाटक का आत्मसंघर्ष- गिरीश रस्तोगी
- हिन्दी एकांकी- सिद्धनाथ कुमार
- हिंदी कहानीः पहचान और परख - डा. इंद्रनाथ मदान
- कहानीः नई कहानी - नामवर सिंह
- रचनात्मक लेखन - सं. रमेश गौतम
- साहित्य सहचर - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
- साहित्यालोचन - श्यामसुंदर

सेमेस्टर-IV

B-HIN-N401-हिंदी गद्य एवं जनसंचार

क्रेडिट - 6 **कुल अंक- 150**

समय- 3 घंटे, **परीक्षा अंक - 75, आंतरिक मूल्यांकन - 75**

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

हिंदी गद्य की विधाओं से परिचय और मीडिया के लिए लेखन का ज्ञान।

पाठ्यक्रम के अपेक्षित परिणाम

401.1 हिंदी गद्य की विधाओं की विशिष्टता की समझ।

401.2 हिंदी गद्यकारों की रचनाओं के माध्यम से समाज के यथार्थ की आलोचनात्मक समझ।

401.3 दृश्य, श्रव्य व प्रिंट माध्यमों के लिए लेखन क्षमता का विकास।

401.4 इंटरनेट व सामाजिक माध्यमों के लेखन के प्रति आलोचनात्मक दृष्टि का विकास

परीक्षा संबधी निर्देश -

(क) व्याख्या - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से दो पाठांश दिए जायेंगे। विद्यार्थी को किसी एक की संदर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। इसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(ख) पाठ बोध - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं से एक पाठांश तथा तत्संबंधी 4 प्रश्न दिए जायेंगे। विद्यार्थी को पाठांश के आधार पर उत्तर देने होंगे। इसके लिए 8 अंक निर्धारित हैं।

(ग) समीक्षात्मक प्रश्न - पाठ्यक्रम में निर्धारित रचनाओं की विषयवस्तु, मूल संवेदना, रचना-सौष्ठव व प्रासंगिकता संबंधी 5 समीक्षात्मक प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 3 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

(घ) जनसंचार संबंधी प्रश्न - पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों में से 6 प्रश्न दिये जायेंगें। विद्यार्थी को किंही 4 का उत्तर देना होगा। प्रत्येक के लिए 5 अंक निर्धारित हैं।

(ङ) वस्तुनिष्ठ प्रश्न - निर्धारित समस्त पाठ्यक्रम में से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगें। विद्यार्थी को प्रत्येक का उत्तर देना होगा। इसमें कोई विकल्प नहीं होगा। इसके लिए 7 अंक निर्धारित हैं।

विशेष - आंतरिक मूल्याकंन के निर्देश - नियत कार्य (assignments / project /case study) हेतु विद्यार्थी को व्यावहारिक विषय दिए जाएं जिससे वह अपने अनुभव, अध्ययन, आलोचनात्मक समझ को प्रस्तुत कर सके।

पाठ्य विषय

(क) हिंदी गद्य

- **संस्मरण - संस्मृतियां (सरदार भगतसिंह संस्मरण भगतसिंह की चुहलबाजी तक)- शिव वर्मा**

- रेखाचित्र - पुरुष और परमेश्वर - रामवृक्ष बेनीपुरी
- संभाषण - साहित्य, संस्कृति और शासन - महादेवी वर्मा
- यात्रा - मैंने जापान में क्या देखा - भदंत आनंद कौशल्यायन
- पत्र - प्रेमचंद के दो पत्र (इंद्रनाथ मदान को)
- जीवनी - आवारा मसीहा का अंश
- साक्षात्कार - रामविलास शर्मा- पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश' (मैं इनसे मिला)

(ख) जनसंचार

- जनसंचार की अवधारणा और जनसंचार के माध्यम, जनसंचार के माध्यमों की भाषा की विशेषताएं (पत्रकारिता, रेडियो, टेलीविज़न, मल्टी मीडिया इंटरनेट)
- संपादन : अवधारणा और उद्देश्य, संपादकीय लेखन के तत्व,
- प्रिंट माध्यम लेखन -(फीचर, साक्षात्कार, फिल्म व पुस्तक समीक्षा)
- इलेक्ट्रोनिक माध्यमों की भाषा की प्रकृति, साहित्य विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपातरण, दृश्य-श्रव्य सामग्री का सामंजस्य(पार्श्व वाचन, वॉयस ओवर),
- दृश्य-श्रव्य माध्यम लेखन (रेडियो, फिल्म पटकथा लेखन, टेलीविजन पटकथा लेखन)
- इंटरनेट पत्रकारिता, ब्लॉग, सोशल मीडिया लेखनः समस्याएं, चुनौतियां व संभावनाएं

Student Scores and Learning Level Against CO's (Evaluation Scale)													
Course Code	CO#	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PO7	PO8	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4
B-HIN-N401	401.1	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	401.2	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	401.3	3	2	3	3	3	3	3	3	3	2	3	3
	401.4	3	3	3	2	3	3	3	3	3	3	2	3
	Average	3	2.5	3	2.5	3	3	3	3	3	2.5	2.5	3

सहायक पुस्तकें

- आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां- नामवर सिंह
- कथा-पटकथा - मन्नू भंडारी
- पटकथा लेखन - मनोहर श्याम जोशी
- कविता की रचना प्रक्रिया - कुमार विमल
- सर्जक का मन - नंदकिशोर आचार्य
- टेलीविजन लेखन - असगर वजाहत और प्रभात रंजन
- रामशरण जोशी: मीडिया विमर्श
- कमलेश्वर: मीडिया भाषा और संस्कृति
- डॉ. एन सी पंत: मीडिया लेखन के सिद्धांत
- राजेंद्र मिश्र: रेडियो लेखन